अपराध का अर्थ एवं परिभाषा –

(Meaning and Definitions of Crime)

सामान्य शब्दों में समाज-विरोधी व कानून-विरोधी कृत्य को अपराध कहा जाता है। और इस कृत्य को करने वाले अपराधी कहे जाते हैं। अपराध शास्त्रीय साहित्य के अवलोकन से स्पष्ट होता है कि अपराध को परिभाषित के सम्बन्ध में दो विचारधाराएं प्रमुख हैं—

1. अपराध की कानूनी परिभाषाएं
2. अपराध की समाजशास्त्रीय परिभाषा

अपराध की कानूनी परिभाषाएँ

वी० एस० हैकरवाल – "वैधानिक दृष्टि कोण से अपराध कानून का उल्लंघन है।"

जे० पी० गिलिन एवं जे० एल० गिलिन – "वैधानिक दृष्टिकोण अपराध किसी देश के कानून के विरुद्ध कार्य है।"

एम० ए० इलियट एवं एफ० ई० मेरिल के अनुसार –

"अपराध कानून द्वारा वर्जित कार्य है।"

अपराध की समाजशास्त्रीय परिभाषाएँ –

आर० ब्राउन के अनुसार – "अपराध उस व्यवहार का उल्लंघन है जो दण्ड विधान को निष्पादित करता है।"

वी० एस० हैकरवाल के अनुसार – "सामाजिक दृष्टि से अपराध व्यक्ति का ऐसा व्यवहार है जो मानवीय सम्बन्धों की व्यवस्था में बाधा पहुँचाता है जिसे समाज अपने अस्तित्व के लिए आवश्यक समझा जाता है।"

Date __/__/____ Page No.: ____

अपराध के कारण —

अपराध के मुख्य कारणों को निम्न रूप में समझा जा सकता है।

शारीरिक दशाएं — शारीरिक दशाओं का अपराध के साथ घनिष्ठ सम्बन्ध है इसे तीन भागों में बांटा गया है-
① शारीरिक बनावट ② वंशानुक्रमण ③ ग्रन्थियां

मानसिक दशाएँ — मानसिक दशाओं का अपराध के साथ गहरा सम्बन्ध है।
① मानसिक दुर्बलता ② भावात्मक अस्थिरता
③ हीनता की भावना
④ अतृप्त इच्छाएँ

पारिवारिक दशाएँ — पारिवारिक दशाओं का अपराध के साथ गहरा सम्बन्ध है। इन दशाओं में टूटा परिवार, अनैतिक परिवार, परिवार का आकार, नियंत्रण का अभाव एवं असंतोषपूर्ण सम्बन्ध मुख्य रूप से आते हैं।

आर्थिक दशाएँ — गरीबी अपराध का मुख्य कारण बनता है। गरीबी की स्थिति में व्यक्ति मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति करने में भी असफल होता है। ऐसी स्थिति में पतन हो सकता है।

सामाजिक दशाएँ — सामाजिक दशाएं भी अपराध को बढ़ावा देती हैं इनमें मुख्य सामाजिक प्रथाएं, गन्दी बस्तियां, संगति, पड़ोस, युद्ध व आधुनिक शिक्षा आदि आते हैं।

राजनीतिक दशाएँ → राजनीतिक तन्त्र अपराधियों को बढ़ाने में सहायक होते हैं। अधिकांश नेता प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष अपराधों से जुड़े होते हैं।